देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 311 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...अभियान जोर-शोर से शुरू

देहरादून, बृहस्पतिवार, 23 जनवरी 2020

पेज थ्री

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 16.0° न्यूनतम 7.0°

41323.81 | 2 नए सिरे से शुरू की जिंदगी | 7 नहीं मिला महेंद्र सिंह धोनी का विकल्प

कश्मीर पर अकेला पाकिस्तान

कश्मीर पर भारत के फैसले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान के पास सीमित विकल्पः अमेरिकी थिंक टैंक

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। कश्मीर को लेकर पाकिस्तान लाख हाथ-पैर पटक ले, लेकिन दुनिया में कोई उसे गंभीरता से नहीं लेता है। एक अमेरिकी थिंक टैंक ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर पर भारत के फैसले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान के पास विकल्प बेहद सीमित हैं।

कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की रिपोर्ट में कई विशेषज्ञों ने कहा है कि इस मुद्दे पर पाकिस्तान की साख खराब है, क्योंकि वह आतंकी समूहों का साथ देता रहा है। कश्मीर पर छह महीने से कम समय में अपनी दूसरी रिपोर्ट में सीआरएस ने कहा कि सैन्य ऐक्शन से यथा-स्थिति बदलने के लिए पाकिस्तान की क्षमता हाल के सालों में कम हुई है। इसका मतलब है कि वह

- केवल तुर्की ने दिया था साथ रहने का भरोसा, मानवाधिकार पर चीन की साख खराबः विशेषज्ञ
- इस्लामाबाद की साख कम है, क्योंकि वह आतंकवादियों का साथ देता रहा हैः रिपोर्ट

कूटनीतिक रास्ते से ही जवाब देगा।

13 जनवरी की इस रिपोर्ट में सीआरएस ने कहा कि 5 अगस्त के बाद पाकिस्तान कूटनीतिक रूप से अकेला दिखा है, एकमात्र देश तुर्की ने उसका साथ देने की बात कही।

नई दिल्ली द्वारा 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और इसे केंद्रशासित प्रदेश बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते बेहद खराब हो गए। पाकिस्तान इस मुद्दे पर भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय

यूएनएससी में चर्चा हुई पर बयान नहीं

25 पेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने चीन की मदद से यूएनएसी में एक सत्र बुलवाया। 5 दशक में पहली बार कश्मीर पर चर्चा के लिए 16 अगस्त को काउंसिल की बैठक हुई। बैठक बंद दरवाजों में हुई और इसका कोई आधिकारिक बयान भी नहीं जारी किया गया।

पाक नेतृत्व के पास विकल्प सीमित

इसमें कहा गया है, अधिकतर विशेषज्ञ मानते हैं कि कश्मीर पर इस्लामाबाद की साख बहुत कम है, क्योंकि उसका इतिहास वहां आतंकी समूहों को चोरी-छुपे मदद पहुंचाने का है। पाकिस्तान के नेतृत्व के पास भारत के ऐक्शन का जवाब देने के लिए विकल्प बहुत कम हैं और कश्मीर में आतंकवाद को पाकिस्तान का समर्थन वैश्विक रूप से महंगा पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान और इसके दोस्त चीन की साख मानवाधिकार के मामले में भी कम है।

समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, भारत ने साफ किया है कि यह पूरी तरह आंतरिक मामला है।

भारत संग रिश्ता मजबूत, पाक पर भरोसा नहीं

सीआरएस के मुताबिक, कश्मीर पर अमेरिका का स्टैंड लंबे समय से यह रहा है कि इसका समाधान भारत और पाकिस्तान के बीच आपसी बातचीत से हो, जिसमें कश्मीरी लोगों की राय को शामिल किया जाए। सीआरएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पिछले कुछ दशकों में वॉशिंगटन की भारत के साथ नजदीकी बढ़ी है, जबकि पाकिस्तान को अविश्वास की नजर से देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय कैबिनेट से कई बड़े फैसलों को मिली मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को उन फैसलों के बारे में जानकारी दी, जिन्हें केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। इनमें नैशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ टेक्नॉलजी के स्थाई कैंपसों के लिए दोबारा बढ़ाई गई राशि और जीएसटी, वैट और एक्साइज ड्यूटी से जुड़े कानूनों में संशोधन जैसे जरूरी फैसले शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री जावड़ेकर ने कहा, एएनआईटी की स्थापना 2009 में हुई थी और 2010-11 में शैक्षणिक तौर पर इन संस्थानों का संचालन अस्थाई कैंपस में बहुत कम जगह और इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ शुरू हुआ था।

यूपी में प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आंदोलन करेगी कांग्रेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लखनऊ। कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ किसानों के मुद्दे पर आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार यह अभियान जल्द ही शुरू होगा, जिसकी अगुआई पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के करने की संभावना है। यह अभियान गांव स्तर पर चलाया जाएगा, जिसके लिए कार्यकर्ता तैयारी कर रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा अभी अपनी मां तथा कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर आई हुई हैं।

सीएए पर किसी दाढ़ी वाले से कर लें बहसः औवेसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह को बुधवार को चुनौती दी कि वह विपक्ष के नेताओं की बजाय सीएए पर उनके साथ बहस करें। अमित शाह की अखिलेश यादव और मायावती को चुनौती पर ओवैसी ने कहा कि इन लोगों के साथ क्यों बहस करनी है, दाढ़ी वाले से करो ना। हम सीएए, एनपीआर और एनआरसी पर बहस और बात करेंगे।

सजा के बाद 7 दिन में हो दोषी को फांसी

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार ने की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। निर्भया केस के दोषियों को फांसी में हुई देरी के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सजा-ए-मौत के लिए 7 दिन की समयसीमा तय करने की मांग की है। सरकार चाहती है कि फांसी की सजा पाए दोषियों को 7 दिन के भीतर फंदे पर लटका दिया जाए। गृहमंत्रालय की याचिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 2012 के निर्भया गैंगरेप-मर्डर केस में चार दोषियों को फांसी की सजा काफी दिनों से लंबित है। रिव्यू, क्यूरेटिव और दया याचिका में लंबा समय लगा है।

गृहमंत्रालय ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की है कि रिव्यू पिटिशन खारिज होने के बाद क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल करने के लिए समयसीमा तय हो। सरकार ने कहा है, श्यदि दोषी दया याचिका दायर करना चाहता है तो सक्षम कोर्ट द्वारा

डेथ वॉरंट जारी किए जाने के 7 दिन के भीतर करने की बाध्यता हो।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 जनवरी को निर्भया केस के दोषी की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उसने यह दावा करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के ऑर्डर को चुनौती दी थी कि वह अपराध के समय नाबालिग था। कोर्ट ने कहा था कि वह नई याचिका दायर करके मामले को लटका नहीं सकता।

दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में इस केस के चार दोषियों विनय शर्मा, अक्षय कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिंह और पवन के खिलाफ डेथ वॉरंट जारी किया है। इसके मुताबिक इन्हें 1 फरवरी को फांसी दी जाएगी। पिटिशन लंबित होने की वजह से इनकी फांसी 22 जनवरी से टल गई और 1 फरवरी के लिए निर्धारित हुई।

दया याचिका खारिज होने के बाद सात दिन के भीतर जारी हो डेथ वॉरंट

गृहमंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि सभी अदालतों, राज्य सरकारों, जेल प्रशासन को निर्देशित किया जाए कि दया याचिका खारिज होने के बाद सात दिन के भीतर डेथ वॉरंट जारी किया जाए और इसके बाद सात दिन के भीतर उसे फांसी दे दी जाए, चाहे उसके साथी दोषियों के रिव्यू पिटिशन, क्यूरेटिव पिटिशन और दया याचिका किसी भी चरण में हो।

तुष्टीकरण हम नहीं करते, यह बीजेपी का धंधा हैः अशोक चव्हाण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के मुद्दे पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) आमने-सामने हैं। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण के बयान को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप लगाए। इसी पर अशोक चव्हाण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस कभी ऐसे काम नहीं करती है, यह सब बीजेपी का धंधा है। इससे पहले बीजेपी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करके संबित पात्रा ने कहा कि अशोक चव्हाण के बयान से कांग्रेस की पोल खुल गई है

सीएएः अब कांग्रेस का पलटवार

और उसने हिंदुओं का अपमान किया है।

अपने बयान पर अशोक चव्हाण ने कहा, सीएए लागू नहीं करना है, यह कांग्रेस वर्किंग कमिटी का फैसला है। यह किसी एक समाज का विषय नहीं है। सीएए को जबरदस्ती लागू करने का प्रयास हो रहा है।

यह संविधान के खिलाफ है इसीलिए हमारा प्रयास इसके खिलाफ है। मैंने नांदेड़ में जो बयान दिया है, वह इसी सिलसिले में दिया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पीओके में 50 किलोमीटर तक मार कर सकेगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जबलपुर। देश की सबसे बड़ी तोप कही जा रही शारंग का एक और सफल परिक्षण हुआ है। माना जा रहा है कि यह तोप भारत को पीओके में किसी अभियान को चलाने में रणनीतिक तौर पर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। यह तोप पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बिना घुसे ही करीब 40 से 50 किलोमीटर तक

शारंग तोप का हुआ सफल परीक्षण

मार कर सकती है। आर्डनेंस फैक्ट्री कानपुर द्वारा बनाई 155 एमएम की शारंग तोप का मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित खमरिया रेंज में सफल परीक्षण किया गया है। भारत पहले ही के9 वज्र-टी, धनुष और अमेरिका निर्धिमत ड-777 तोपों को सेना में शामिल कर चुका है।

भगवान विष्णु के धनुष शारंग के नाम पर इस तोप का नाम शारंग रखा गया है। सूत्रों के इसी साल इसे 30 तोपों को भारतीय सेना को सौंपा जा सकता है। शारंग तोप एक बार में तीन गोले दागने में सक्षम है। शारंग तोप को 130 एमएम की एम-46 तोप को उन्नत करके बनाया गया है। यही नहीं अब यह तो अब पहले की तुलना में ज्यादा तबाही ला सकती है।